चाँदी के सिंहासन बैठ्यो

(तर्ज : चांद सी मेहबूबा हो मेरी .....)

चाँदी के सिंहासन बैठ्यो सच्चा न्याय चुकाव है
खाटू वालो श्याम हमारो लखदातार कुहाव है

आवे है जो आशा लेकर, मनवांछित फल सब पाय रया
कोई प्रेम का आँसू बहाय रयो, कोई जयजयकार लगाय रयो
खाली झोली लेकर आवे, झोली भर भर जावे है
खाटू वालो .....

बाबा के हाथां में मोर छड़ी, और लीले की असवारी है
भक्तां क खातिर तैयार रव, यो भक्तां को हितकारी है
भीड़ पड़न पर जो भी बुलाव, भाग्यो भाग्यो आव है
खाटू वालो ....

गहरी नदियाँ, टूटी नैया, मझदारा में जद फंस जाव ह
तु मत घबरा सुमिरन कर ले, बाबो केवट बनकर आवे ह
भटकी नैया श्याम धणी ने पार लगानी आवे है
खाटू वालो ....

जो श्याम भजो, उन आयो मजो, कोई देखो आंख उठाकर क
अर्पण करदे जीवन अपणो, तु श्याम शरण में आकर क
टाबर क्यूँ ना श्याम रिझाव, जो गावे सो पावे है
खाटू वालो ....